भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या -1880
दिनांक मार्च 11,2025 के लिए प्रश्न

पशु कल्याण संगठन

1880. श्री भोजराज नाग:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पशुपालन और पशु कल्याण के अंतर्गत कौन-कौन से विशेष कार्यक्रम अथवा पहल शुरू की जाएंगी;

(ख) इन गतिविधियों में किसानों, डेयरी उत्पादकों और पशु कल्याण संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए क्या योजनाएं हैं;

(ग) क्या पशु चिकित्सकों और पशुओं की देखरेख करने वालों के लिए कोई विशेष प्रशिक्षण या क्षमता निर्माण कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या पशुपालन और पशु कल्याण पहलों के लिए कोई वित्तीय प्रोत्साहन या अनुदान दिए जाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो.एस.पी. सिंह बघेल)

(क) और (ख) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 246(3) के अनुसार पशुपालन और पशु कल्याण राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। इसी तरह, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243 (ब) के तहत स्थानीय निकाय, गोपशु बाड़ों और पिंजरापोलों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार हैं। योजनाओं/ राज्य या संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों के साथ पशुपालन और डेयरी विभाग भारत सरकार विभिन्न योजनाओं नामतः राष्ट्रीय गोकुल मिशन, राष्ट्रीय पशुध मिशन, राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रमों, पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम आदि का क्रियान्वयन कर रही है। जीव जंतु कल्याण संबंधी कार्यकलापों का क्रियान्वयन भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड के दिशानिर्देशों के अनुरुप किया जाता है। पशु कल्याण के अंतर्गत सभी कार्यकलाप भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुसार क्रियान्वित किए जाते हैं। दिनांक 14 जनवरी से 13 फरवरी तक पशुपालन एवं पशु कल्याण पर विशेष अभियान चलाया गया है। इस अवधि के दौरान स्वास्थ्य शिविर, टीकाकरण शिविर, पशु कल्याण से संबंधित जागरूकता आदि जैसे विभिन्न पशुपालन विकास कार्यक्रम, पशु कल्याण कार्यकलाप संबंधी गहन अभियान चलाए जाएंगे। राज्य सरकारों, पशु कल्याण संगठनों, गैरसरकारी संगठनों-, शैक्षिक संस्थानों से कार्यशालाएं और ऑनलाइन वेबिनार, स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता गोष्ठियां, पशुधन मेले, सर्वोत्तम दूध उत्पादन जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं, पशु शो, पशु कल्याण और पशुपालन विषयों पर स्कूलकॉलेजों के छात्रों के बीच प्रतियोगिता/, पशु कल्याण के क्षेत्र में कार्य कर रही गौशालाओं और गैर सरकारी संगठनों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया गया है।

इसके अतिरिक्त, राज्य सरकारें किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न बैठकों, सोशल और प्रिंट मीडिया के माध्यम से गांव, ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर अभियान चला रही हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों का उन्मुखीकरण भी किया गया। उपर्युक्त प्रयासों के अलावा, किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए टीवी/रेडियो और सोशल मीडिया आदि के माध्यम से जागरूकता सृजन, छात्रों के लिए इंटरैक्टिव कक्षा भ्रमण का आयोजन ब्रोशर या इन्फोग्राफिक्स आदि का डिजाइन और वितरण आदि भी इस आयोजन के एक भाग के रुप में किए जा रहे हैं।

(ग) राज्य सरकारों को आवश्यकतानुसार चिनिह्त माह के दौरान क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण गतिविधयां आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

(घ) राज्य सरकारें राष्ट्रीय पशुधन मिशन, राष्ट्रीय गोकुल मिशन और पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण जैसी मौजूदा केन्द्र सरकार की योजनाओं के अंतर्गत निधियन प्राप्त कर सकती हैं।

****